वशि्ववद्यिालय अनुदान आयोग (UGC) की नई पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वशि्ववद्यिालय अनुदान आयोग (University Grants Commission- UGC) ने देश में अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु नई पहल **'स्कीम फॉर ट्रांस- डसिपि्लनिरी रसिर्च फॉर इंडयिाज़ डेवलपगि इकॉनमी'** (Scheme for Trans-disciplinary Research for India's Developing Economy- STRIDE) की घोषणा की।

STRIDE के प्रमुख उद्देश्य

- इस योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नहिति प्रतभिा की पहचान करना, अनुसंधान की संस्कृति तथा नवाचार को बढ़ावा देना, क्षमता नरि्माण करना, भारत की वकिासशील अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय वकिास हेतु **ट्रांस- डसिपि्लनिरी रसिर्च** को बढ़ावा देना है।
- मानवकिी और मानव वज्ञिान के संदर्भ में वशिेष ध्यान देते हुए बहु-संस्थागत नेटवर्क तथा प्रभावी रसिर्च परयिोजनाओं को फण्ड प्रदान करना।

प्रमुख बदिु

- STRIDE उन अनुसंधान परयिोजनाओं को सहायता प्रदान करेगा जो सामाजकि रूप से प्रासंगकि होने के साथ ही स्थानीय रूप से आवश्यकता आधारति, राष्ट्रीय स्तर एवं वशि्व स्तर पर महत्तवपूर्ण हैं।
- यह अनुसंधान क्षमता नरि्माण के साथ-साथ बुनयिादी व अनुप्रयुक्त तथा परविर्तनकारी अनुसंधान का समर्थन करेगा जो समावेशी वकिास पर ध्यान केंद्रति करने के साथ राष्ट्रीय प्राथमकिताओं में योगदान दे सकता है।
- यह मज़बूत नागरकि समाज के नरि्माण हेतु नए वचिारों, अवधारणाओं और प्रथाओं तथा वकिास को समर्थन प्रदान करेगा।
- इस योजना से भारतीय भाषाओं और ज्ञान प्रणालयिों के क्षेत्र में गुणवत्तायुक्त अनुसंधानों को बढ़ावा मलिेगा।
- कॉलेजों और वशि्ववद्यिालयों में ट्रांस- डसिपि्लनिरी रसिर्च कल्चर को मज़बूत करने में सहयोग हेतु STRIDE के नम्निलखिति तीन घटक दयि गए हैं।
    - इसके अंतर्गत वशि्ववद्यिालयों और कॉलेजों में अनुसंधान तथा नवाचार को प्रेरति करने के साथ ही युवा प्रतभिाओं की पहचान की जाएगी। स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्वकि समस्याओं के व्यावहारकि समाधान हेतु युवा प्रतभिाओं की पहचान व समर्थन करके ववििध वषियों में अनुसंधान क्षमता का नरि्माण कयि जाएगा। इसमें सभी वषियों पर अनुसंधान के लयि **1 करोड़ रुपए** तक का अनुदान दयि जाएगा।
    - इस योजना के तहत भारत की वकिासशील अर्थव्यवस्था में योगदान करने के लयि सामाजकि नवाचार के क्षेत्र में अनुसंधान की मदद से समस्या नविारण हेतु कौशल बढ़ाया जाएगा। इसके तहत वशि्ववद्यिालयों, सरकार, स्वैच्छकि संगठनों और उद्योगों के बीच सहयोग को प्रोत्साहति कयि जाता है। इसमें सभी वषियों पर अनुसंधान करने के लयि **50 लाख - 1 करोड़** तक का अनुदान दयि जाएगा।
    - इसके तहत नधिकिरण के लयि पात्र शर्तों में शामलि हैं: दर्शन, इतहिास, पुरातत्त्व, नृवज्ञिान, मनोवज्ञिान, स्वतंत्र कला (Liberal Art), भाषा वज्ञिान, भारतीय भाषा एवं संस्कृति, भारतीय ज्ञान प्रणाली, कानून, शक्षिा, पत्रकारति, जनसंचार, वाणज्यि, प्रबंधन, पर्यावरण और सतत वकिास। इस घटक के लयि उपलब्ध अनुदान के अंतर्गत एक उच्च शैक्षणकि संस्थान (Higher Educational Institutions- HEI) हेतु **1 करोड़ रुपए** और बहु संस्थागत नेटवर्क के लयि **5 करोड़** रुपए तक है।

ट्रांस-डसिपि्लनिरी रसिर्च

- यह नए वैचारकि, सैद्धांतकि, पद्धतगित नवाचारों के नरि्माण हेतु वभिन्नि वषियों के क्षेत्र में कयि जाने वाला एक प्रयास है जसिमें अनुशासन-वशिष्टि दृष्टकिोणों से परे आम समस्या पर ध्यान दयि जाएगा।
- शोध में ज्ञान के सैद्धांतकि प्रयासों से हटकर व्यावहारकि उपयोग की आवश्यकता को संदर्भति कयि जाएगा।
- यह अनुशासनात्मक दृष्टकिोण से परे बौद्धकि रूपरेखा की एकता पर बल देता है और वभिन्नि हतिधारकों को शामलि करने के लयि वषियों की सीमाओं से परे जाकर समस्याओं को हल करने का प्रयास करता है।
- यह बहु और अंतर-अनुशासनात्मक अवधारणाओं के उपयोग द्वारा नवाचार को बढ़ावा देता है।

वशि्ववद्यिालय अनुदान आयोग

(University Grants Commission- UGC)

- 28 दसिंबर, 1953 को तत्कालीन शक्षिा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ने औपचारकि तौर पर यूनविर्सटिी ग्रांट्स कमीशन की नींव रखी थी।
- वशि्ववद्यिालय अनुदान आयोग वशि्ववद्यिालयी शक्षिा के मापदंडों के समन्वय, नरि्धारण और अनुरक्षण हेतु वर्ष 1956 में संसद के अधनियिम द्वारा स्थापति एक स्वायत्त संगठन है।
- पात्र वशि्ववद्यिालयों और कॉलेजों को अनुदान प्रदान करने के अतरिक्ति, आयोग केंद्र और राज्य सरकारों को उच्चतर शक्षिा के वकिास हेतु आवश्यक उपायों पर सुझाव भी देता है।
- इसका मुख्यालय देश की राजधानी नई दलि्ली में अवस्थति है। इसके छह क्षेत्रीय कार्यालय पुणे, भोपाल, कोलकाता, हैदराबाद, गुवाहाटी एवं बंगलूरू में हैं।

स्रोत- PIB

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/university-grants-commission